Clearance of Pooyamkutty Hydro Electrical Project

4598. SHRI M. A. BABY : Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state :

(a) the details of the terms and conditions on the basis of which Pooyamkutty Hydro Electrical Project has been cleared from environment angle; and

(b) the time frame of the implementation of these terms and conditions ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH) : (a) and (b) The pooyamkutty Hydro Electrical Project was accorded conditional environmental clearance in June, 1985 subject to formulation of action, plans on soil conservation and catchment treatment, rehabilitation, protection of wild life etc. on the basis of such studies as flora and fauna, socio economic status, of the people, impact on ground-arifers and water quality etc.. These studies were to be completed for formulation of action plants before commencing construction work. Decision on divert sion of forest land for the scheme, however, is yet to be taken as certain details sought from the State Government are still awaited.,

गंगा सफाई योजना

4599. **श्री जनार्दन यादव** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गंगा सफाई योजना का पूर्ण रूप से कार्यान्वयन किया गया है;

(ख) यदि हां तो किन-किन शहरों में इस योजना के कार्यान्वयन के उपरान्त भी प्रदूषण की समस्या बनी हुई है; और

(ग) सरकार द्वारा इसके नियंत्रण के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) गंगा कार्य योजना के पहले चरण के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के श्रेणी-1 के 25 नगरों शुरू की गई 261 स्कीमों में से अभी तक 230 स्कीमें पूरी हो चुकी हैं। बाकी बची स्कीमें पूरी होने के विभिन्न स्तरों पर हैं। इसमें कार्य योजना के नगरों से उत्पन्न हुए 1340 एम० एल० डी० अनुमानित अपशेष जल में से प्रतिदिन 873 मिलियन लीटर अपशेष जल (एम० एल० डी०) का दिशा-परिवर्तन अवरोधन तथा उपचार करने का लक्ष्य रखा गया था। 230 स्कीमों के पूरा होने के फलस्वरूप 543 एम० एल० डी० अपशेष जल का अवरोधन और दिशा-परिवर्तन किया गया है तथा 356 एम० एल० डी० अपशेष जल का उपचार करने की क्षमता विकसित की गई।

(ख) कानपुर को छोड़कर जिन नगरों में प्रदूषण निवारण स्कीमें पूर्णतः या आंशिक रूप से शुरू की गई हैं उनमें जल गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने में आया है।

(ग) गंगा नदी की जल गुणवत्ता में और भी सुधार लाने के लिए गंगा कार्य योजना के दूसरे चरण के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रदूषण निवारण कार्यों को करने का प्रस्ताव किया गया है :

1. श्रेणी-I के 25 नगरों में पहले चरण में शामिल नहीं किए गए आवश्यक कार्य।

2. मुख्य नदी के किनारे बसे श्रेणी-II और III के अभिनिर्धारित नगरों से संबंधित कार्य।

3. गंगा की सहायक नदियों के अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों से संबंधित कार्य।

सरकार द्वारा यमुना और गोमती नदियों के प्रदूषण निवारण कार्यों को अब अनुमोदित कर दिया गया है